'kks/k&i=k : i

ukxiqjh lkfgR;dkj jkds'k je.k flag dk thou ,oa jpuk lalkj % ,d v/;;u

ih,p0Mh0 mikf/k gsrq izLrkfor 'kks/k i=k : i

LukrdksŸkj ukxiqjh Hkk"kk foHkkx

jkaph fo'ofo|ky;] jkaphA

o"kZ %& 2023

ladk; tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk

jkaph fo'ofo|ky;] jkaphA

'kks/k funsZ'kd %

Mk0 lfork dq'kjh
lgk;d izk/;kfidk
ukxiqjh Hkk"kk foHkkx]
jkaph fo'ofo|ky;] jkaph

'kks/kdŸkkZ %

uferk iwue
,e0,0 ukxiqjh
;w0 th0 lh0 usV@ ts0vkj0,Q0
tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk ladk;]
jkaph fo'ofo|ky;] jkaph

Hkfedk %

भारत के मानचित्र में हमारे राज्य झारखण्ड का स्थान 28वाँ है। झारखण्ड प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जितना प्रसिद्ध है उतना ही अपनी खनिज सम्पदाओं में भी है। नदी, नाला, वन–जंगल, पहाड़–पर्वत से अच्छादित है। यहाँ की धरती रत्नगर्भा है। अलग–अलग तरह के रत्नों को अपने गर्भ में समेटे हुए है।

झारखण्ड एक ऐसा प्रदेश है जहाँ भाषाई दृष्टि से मुख्यतः तीन संस्कृतियों के लोग रहते हैंः–

(1) आर्य भाषा परिवार

(2) द्रविड़ भाषा परिवार

(3) आस्ट्रिक भाषा परिवार

इन तीनों संस्कृतियों के लोग आपस में एक साथ मिल–जुलकर रहते हैं। वैसे तो झारखण्ड में तरह–तरह की भाषाएँ बोली जाती है, लेकिन मुख्य रूप से नौ भाषाएँ कुँडुख़, संथाली, मुण्डरी, खड़िया, हो, खोरठा, कुरमाली, पंचपरगनिया तथा नागपुरी को यहाँ की भाषा के रूप में मान्यता मिली हुई है। इसकी पढ़ाई स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों में होती है। इन भाषाओं को प्रतियोगिता परीक्षाओं में भी सम्मिलित किया गया है।

इन्हीं में से एक भाषा 'नागपुरी' है जो झारखण्ड की प्रसिद्ध तथा मुख्य भाषा है। 'नागपुरी' आर्य–भाषा परिवार से संबंधित है। लगभग 2000 वर्षों के नागवंशी शासन के समय इसे राज भाषा का दर्जा प्राप्त था। स्थान भेद के कारण इसे अलग–अलग नामों से भी जाना जाता है, जैसे सादरी, सदानी, गंवारी, गंवाली, दिकू काजी, नागपुरिया आदि। लेकिन अभी इनका एक नाम 'नागपुरी' स्थिर हो चुका है। यह सदान लोगों की मातृभाषा है।

इसलिए इसे सदानी भाषा के नाम से भी जाना जाता है। बहुत सारे आदिवासियों तथा गैर–आदिवासी की सम्पर्क भाषा नागपुरी है। शहरीकरण तथा अन्य कारणों से कुछ क्षेत्रों के आदिवासी परिवारों की भी अब यह मातृभाषा बन चुकी है।

नागपुरी नाम यहाँ कि स्थानीयता और परम्परा से जुड़ा हुआ है। नागवंशी राजाओं की राजधानी थी चुटिया नागपुर में। काल क्रम के बहाव में यह छोटानागपुर नाम से जाना गया और इसकी भाषा संस्कृति नागपुरी नाम से।

नागपुरी शिष्ट साहित्य का प्रारंभ 17वीं शताब्दी में रघुनाथ नृपति नागवंश के 50वें महाराजा के काल से माना जाता है। इनका काल 1626–1668 रहा है। इनकी रचनाओं से पता चलता है कि वे वैष्णव भक्त कवि थे। इनके भक्ति एवं रचनाओं में चैतन्य महाप्रभु का प्रभाव स्पष्ट देखने को मिलता है। यही कारण है कि रघुनाथ नृपति के नागपुरी गीतों में बंगला का पूर्ण प्रभाव आ गया है।

बरजूराम, हनुमान सिंह, जय गोविन्द मिश्र, सोबरन राय, महंत घासी, महाकवि कंचन, ठाकुर प्रसाद घासी राम, अनुप राय आदि ने नागपुरी भाषा साहित्य को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिये है।

आधुनिक रचनाकारों में सबसे पहले पाण्डेय दुर्गानाथ राय का नाम आता है, जिन्होंने सबसे पहले ''मधु कुंज'' (गीत काव्य संग्रह) को समाज के बीच रखा। इसके बाद प्रफुल्ल कुमार राय का नाम आता है जिनकी पहली कहानी 1961 ई0 में बिन बातक बात (अप्रैल) अवसरे नी मिले बुझू आउर किल किला (जून) में नागपुरी पत्रिका नागपुरी भाषा परिषद् राँची से योगेन्द्र नाथ तिवारी के सम्पादन में छपी। इसके आलावे रेव0ई0एच0 ह्विटली के द्वारा 1896 ई0 में नागपुरी भाषा का पहला व्याकरण लिखा गया।

1910–11 के बाद नागपुरी भाषा साहित्य का विकास तेजी से हो रहा है। इस समय के रचनाकार पाण्डेय दुर्गानाथ राय, प्रफुल्ल कुमार राय, मन्मथ नाथ शर्मा, मृत्युजयनाथ शर्मा, शिवावतार चौधरी 'शिवाजी', कवि रत्न शारदा प्रसाद शर्मा, कालेश्वर राम ठाकुर आदि है। 1930 ई0 के बाद नागपुरी साहित्यकर सहनी उपेन्द्र पाल 'नहन', डॉ0 बी0पी0 केसरी, नईमउद्दीन, मिरदाहा, लाल–रणविजय नाथ शाहदेव, क्षितिज कुमार राय, प्रमोद कुमार राय, प्रमोद चन्द्र देवघरिया, मुकुन्द नायक, डॉ0 गिरधारी राम गौंझू 'गिरिराज', डॉ0 कुमारी वासंती, धनेन्द्र प्रवाही आदि नागपुरी साहित्य का भण्डार भर रहे है। आधुनिक कवियों, साहित्यकारों मैं इन सभी साहित्याकारों का नाम बड़े आदर के साथ लिया जा सकता है। जैसे– डॉ0 सविता केशरी, डॉ0 उमेशनन्द तिवारी, डॉ0 शकुन्तला मिश्रख डॉ0 खालिक अहमद आदि। इन नामों में एक विशिष्ट नाम और पहचान है ''राकेश रमण सिंह'' की जो अभी वर्तमान में नागपुरी वा हिन्दी भाषा के कवि–लेखक है। ये सामाजिक कार्यों में भी संलग्न रहते है तथा एक नाटकार भी है। इन्होंने सर्व प्रथम नागपुरी भाषा में व्यंग्य लिखने की शुरूआत की। ये नागपुरी भाषा साहित्य के प्रति राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे रहे है। इनका जन्म ''29 नवम्बर 1959'' ई0 को गुमला जिले में हुआ।

राकेश रमण सिंह को नागपुरी भाषा के प्रति लगाव अटूट है। वे अपनी मातृभाषा नागपुरी को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है।

'kks/k fo"k; dh izsj.kk %

छोटानागपुर मेरी जन्मभूमि एवं कर्मभूमि है और बाल्यावस्था से ही नागपुरी भाषा के प्रति मेरा लगाव रहा है। मातृभाषा नागपुरी होने के कारण

मैंने इंटरमीडिट, स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई नागपुरी भाषा से की। इस दौरान मुझे नागपुरी भाषा को और अधिक गहराई से जानने का सुवअसर प्राप्त हुआ। स्नातक के कालवधि मैं मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि क्यों न अपनी मातृभाषा के लिए मैं इस अभाव को अनुभव करने के उपरान्त सहज ही मेरी जिज्ञासा नागपुरी के उपलब्ध और अनुपलब्ध साहित्य को जानने देखने और समझने के प्रति बढ़ गयी। मैंने आनी खोज आरंभ की। इसी खोज के दौरान मुझे एक ऐसे साहित्याकार की रचनाओं को देखने का अवसर मिला। जिसने मुझ में नागपुरी साहित्य के लिए कुछ कर गुजरने का उत्साह भर दिया। जैसे–जैसे मैं उनके रचना संसार से परिचित होती गयी मुझे और गहराई में उतरने की आवश्यकता अनुभव होती गयी। राकेश रमण सिंह जी की रचनाओं का प्रभाव तो मुझ पर पड़ा ही उनकी गतिविधियों की जानकारी मिली तो मैं यह सोचने लगी कि यदि कभी मुझे अवसर मिला तो मैं उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर शोध कार्य करना चाहूँगी। संयोग से मुझे मेरे कार्य के लिए एक स्वनामध्यन्य तथा विदुषी शोध निर्देशिका मिल गयी। जब उनसे मैंने अपने मन की ईच्छा प्रकट की तो उन्होंने मुझे यह कार्य करने के न सिर्फ प्रेरित किया वरन् इनकी आवश्यकता भी बतायी। वस्तुतः किसी समर्थ लेखक की रचना प्रक्रिया तथा उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को जान समझकर ही साहित्य के विकास का अग्रेतर मार्ग प्रशस्त हो सकता है। अपनी शोध निर्देशिका की प्रेरणा पाकर मेरे मन में उत्साह का संचार हुआ तथा मैंने अपने अन्य गुरूओं परम आदरणीय डॉ0 उमेश नन्द तिवारी, डॉ0 विरेन्द्र कुमार महतो, डॉ0 राम कुमार एवं डॉ0 रीझू नायक से भी इनकी चर्चा की। सबने मुझे प्रेरित किया। प्रिय सहेली सीमा कुमारी ने भी इस विषय को मेरे लिए एक उचित तथा सार्थक बताकर मुझे प्रेरणा दी।

'kkS/k fo"k; dh vkSfpR; %

किसी भी शोध कार्य का महत्त्व तब तक नहीं होता है जब तक की उसकी उपयोगिता समाज, प्रदेश एवं देश के लिए न हो।

'kks/k dk mís'; %

(1) नागपुरी साहित्य का गहन अध्ययन करना।

(2) नागपुरी साहित्य का महत्त्व एवं उसकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करना साथ ही इसके संकलन संचयन एवं मूल्यांकन की दिशाएँ प्रशस्त करना।

(3) नागपुरी साहित्य का मूर्द्धन्य साहित्यकार राकेश रमण सिंह जी के जीवन एवं साहित्य के माध्यम से झारखण्डी जन–जीवन एवं सामाजिक–सांस्कृतिक पक्ष पर प्रकाश डालना।

(4) नागपुरी भाषा साहित्य को सुदृढ़ करना।

(5) झारखण्ड के सामाजिक सांस्कृतिक विकास में योगदान देना।

'kks/k dk egÙo %

नागपुरी साहित्यकार राकेश रमण सिंह का जीवन एवं रचना संसार शोध से समाज में निम्नलिखित प्रभाव पड़ेगा :–

(1) इस शोध प्रबंध के प्रकाश में आने से समस्त नागपुरी भाषा–भाषियों एवं समाज में कवि कलाकारों और साहित्यकारों के प्रति सम्मान बढ़ेगा और जागृति की लहर आयेगी।

(2) यह समकालीन नागपुरी भाषा–भाषियों की साहित्य समीक्षा पर शोध के लिए आदर्श साबित होगा।

(3) निज भाषा प्रेम एवं अपनी संस्कृति के प्रति लोगों का रूझान बढ़ेगा एवं एक नयी जागृति उत्पन्न होगी।

(4) यह अन्य झारखण्डी भाषाओं में शोध हेतु प्रेरणादायक साबित होगा।

(5) साहित्यक, सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्र के लिए लाभकारी होगा।

(6) इस शोध कार्य के प्रति भावी पीढ़ी का मनोबल बढ़ेगा।

(7) नागपुरी साहित्य में एक समर्थ लेखक की रचना प्रक्रिया एवं दृष्टि के प्रकाश में आने से भाषा साहित्य की सृजन क्षमता का विकास होगा।

'kks/k izfof/k %

izLrkfor 'kks/k izca/k dks v/;;u gsrq fuEufyf[kr 'kks/k fof/k;ksa dk vuqdj.k fd;k tk,xk&

(1) अवलोकन विधि

(2) साक्षात्कार विधि

(3) वर्णात्मक

(4) विश्लेषणात्मक अध्ययन

(5) प्रश्नावली

(6) आलोचनात्क विधि

(7) तुलनात्मक विधि आदि।

'kks/k midj.k %

प्रस्तावित शोध विषय ''नागपुरी साहित्यकार राकेश रमण सिंह का जीवन एवं रचना संसार'' शोध विषय के लिए निम्नलिखित सामग्री शोध कार्य के लिए उपयोग किये जा सकते हैंः–

(1) शोध से संबंधित पुस्तकों, प्रकाशित रचनाएँ, संदर्भ ग्रंथ हेतु पुस्तकें।

(2) पत्र–पत्रिकाएँ, गोतिया, जोहार, आदिवासी, नागपुरी, जय झारखण्ड, आदिवासी सकम, झारखण्ड समाचार शंखनाद, पझरा, कला संगम, जोहार सहिया, अखड़ा आदि।

(3) टेप रिकॉडर (साक्षात्कार सभा के लिए जरूरी)

(4) कैमरा (आवश्यक चित्रों को एकत्रित करने, फोटो, खीचने एवं विड़ियों वगैरह तैयार करने के लिए आवश्यक)

(5) मोबाईल

(6) कम्प्युटर

(7) इंटरनेट

(8) प्रिंटर

(9) नक्शा, पेपर, कलम, पेसिंल आदि।

ih,p0 Mh0 'kks/k&izca/k dh izLrkfor :ijs[kk

'kks/k fo"k; %& नागपुरी साहित्यकार राकेश रमण सिंह की जीवन एवं रचना संसार

izLrkouk

(1) शोध विषय की प्रेरणा एवं औचित्य।

(2) शोध की विषय सीमा।

(3) शोध विधि।

(4) विषय से संबंधित पूर्व में किए गये शोध कार्य का विवरण।

(5) चयनित शोध कार्य का विवरण।

(6) विषय की नवीनता।

igyk v/;k; %& jkds'k je.k flag dh thou js[kk,¡

(1) जन्म एवं परिवार

(2) पारिवारिक स्थिति

(3) बाल्यावस्था

(4) किशोरावस्था

(5) युवावस्था

(6) शिक्षा

(7) विवाह

(8) सेवा

(9) नागपुरी भाषा की ओर झुकाव एवं प्रेरणा

(10) विविध कार्य

nwljk v/;k; %& jkds'k je.k flag dh O;fDrxr fo'ks"krk,¡

(1) बाह्य विशेषताएँ :– रंग–रूप, आकार, पहनावा।

(2) आंतरिक विशेषताएँ :– स्वाभिमानी, दृढ़निश्चयी, न्यायप्रिय एवं कर्त्तव्य परायन, संग्रह, वृति, व्यक्तिवादी, दृष्टिकोण, धार्मिक आचरण।

rhljk v/;k; %& jkds'k je.k flag dh ledkyhu ifjfLFkfr;k¡

(1) प्राकृतिक स्थिति

(2) सामाजिक स्थिति

(3) आर्थिक स्थिति

(4) धार्मिक स्थिति

(5) सांस्कृतिक स्थिति

(6) राजनीतिक स्थिति

(7) साहित्यक स्थिति

pkSFkk v/;k; %& jkds'k je.k flag dh lexz jpuk,¡

(1) गद्यकार के रूप में– कहानी, उपन्याय, नाटक, निबंध, जीवनी, आत्मकथा, व्यंग्य

(2) पद्यकार के रूप में– गीत, कविता, गजल

(3) अनुवादक के रूप में

(4) सम्पादक के रूप में।

ik¡pok v/;k; %& jkds'k je.k flag dh ledkyhu lkfgR;dkj

¼1½ iwoZ lkfgR;dkj & (क) मनोहर महांती (15 जून 1953)

(ख) कृष्ण कलाधर (27 मार्च 1955)

(ग) राम उचित सिंह (27 मार्च 1955)

(घ) हरीश कुमार चौरसिया (1 जून 1958)

(ङ) खालिक अहमद (20 जनवरी 1959)

¼2½ ik'pkr~ lkfgR;dkj %& (क) सविता केशरी (1 फरवरी 1960)

(ख) शकुन्तला मिश्र (1 मई 1962)

(ग) डॉ0 उमेशनन्द तिवारी (18 अगस्त 1962)

(घ) महेन्द्र सिंह 'मनि' (23 दिसम्बर 1961)

(ङ) भीम नायक (21 जनवरी 1961)

NBk v/;k; %& fgUnh lkfgR; ds fodkl esa jkds'k je.k flag dh ;ksxnku

(1) गद्यकार के रूप में– कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, जीवनी, आत्मकथा, व्यंग्य

(2) पद्यकार के रूप में– गीत कविता गजल

(3) अनुवादक के रूप में

(4) सम्पादक के रूप में

lkrok¡ v/;k;%& jkds'k je.k flag dh jpukvksa dk Hkko i{k

(1) भाव

(2) रस

vkBok¡ v/;k; %& jkds'k je.k flag dh jpukvksa dk dyk i{k

(1) छन्द

(2) अलंकार

(3) बिम्ब

(4) प्रतीक

(5) गुण

(6) भाषा–शैली आदि।

uok¡ v/;k; %& ukxiqjh Hkk"kk lkfgR; dk fodkl esa jkds'k je.k flag dh eq[; ;ksxnku ,oa LFkku

fu"d"kZ

ifjf'k"V %&

(क) उपसंहार / निष्कर्ष

(ख) आधार ग्रंथों की सूची

(ग) सहायक ग्रंथों की सूची

(घ) पत्र–पत्रिकाओं की सूची

(ङ) साक्षात्कार सूची

(ख) चित्रावली

ukV %& 'kks/k iz:i esa vko';drk gksus ij vkaf'kd ifjorZu fd;s tk ldrs gSA

'kks/k funsZ'kd %

डॉ० सविrk d¨'kjh
lgk;d izk/;kfidk
ukxiqjh Hkk"kk foHkkx]
jk¡ph fo'ofo|ky;] jk¡ph

शोधकर्त्ता %

uferk ique
एम०ए० नागपुरी
यू०जी०सी० नेट / जे०आर०एफ०
tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk ladk;]
jk¡ph fo'ofo|ky;] jk¡ph

आधार ग्रन्थों की सूची

नागपुरी पुस्तकों की सूची :-

क्र.सं.	रचनाकार	पुस्तक का नाम	प्रकाशक	वर्ष
1.	अनुज डॉ. भुवनेश्वर	नागपुरी लोक साहित्य	जय भारती– इलाहाबाद	1992
2.	केशरी डॉ. विसेश्वर प्रसाद	नागपुरी भाषा और उद्गम और विकास	झारखण्ड झरोखा–राँची	2006
3.	केशरी डॉ. विसेश्वर प्रसाद	नागपुरी कवि और उनका काव्य	नागपुरी संस्थान, पिठोरिया, राँची	2014
4.	केशरी डॉ. सरिता	कवि कंचन जीवन और साहितय	नागपुरी संस्थान, पिठोरिया, राँची	2015
5.	गोंझू डॉ. गिरिधारी राम	पीटर शांति नवरंगी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	पझरा प्रकाशन, नागपुरी प्रचारिणी सभा, राँची	1990
6.	गोंझू शंकर लाल	गिरिराज व्यक्तित्व एवं कृत्वि	राँची	1985
7	गोस्वामी डॉ. श्रवण कुमार	नागपुरी शिष्ट साहित्य	रिसर्च पब्लिकेशन इन सोशल साइंसेज	1972
8.	गोस्वामी डॉ. श्रवण कुमार	नागपुरी भाषा	विहार परिषद्, पटना	1976
9.	तिवारी डॉ. उमेश नंद	प्रफुल्ल कुमार राय एक मूल्यांकन	ला.शो.प्रा., राँची	2005
10.	दूबे डॉ. विश्वनाथ	धनीराम बक्सी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	1981
11.	साहु डॉ. गोविन्द	नागपुरी कवि घासीराम व्यक्तित्व और कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	1976
12.	साहु डॉ. सुखदेव	डॉ. भुवनेश्वर अनुज, व्यक्तित्व एवं कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2003

lgk;d xzFkksa dh lwph

Ø-l-	jpukdkj	iqLrd dk uke	izdk'kd	o"kZ
1.	केशरी डॉ. विसेश्वर प्रसाद	नागपुरी भाषा और साहित्य	नागपुर, संस्थान पिठोरिया, राँची	1971
2.	गिरिराज डॉ. गिरिधारी राम गौंझू	झारखण्ड की पारम्परिक कलाएँ	झारखण्ड झरोखा, राँची	2015
3.	गिरिराज डॉ. गिरिधारी राम गोंझू	झारखण्ड इन साइक्लोपीडिया, खण्ड–4 मांदर की धमक और गुलाईची की खुशबू	कला संस्कृति, खेल–कूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार राँची	2008
4.	प्रमाणिक शिवनाथ	खोरठा लोक साहित्य	खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद्, बोकारो	2004
5.	मिश्र शकुन्तला (सम्पादक)	रस मंजरी	झारखण्ड झरोखा, राँची	2010
6.	मिश्र शकुन्तला एवं तिवारी डॉ. उमेश नन्द	बन केवरा भाग–1	झारखण्ड झरोखा, राँची	2012
7.	वासंती डॉ. कुमारी	नागपुरी गीतों की छंद रचना	किशोर विद्या निकेतन	2009
8.	राय क्षितिज कुमार	नागपुरी ताल	नागपुरी कला संगम	1985
9.	राय क्षितिज कुमार	मन मेंजूर	छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ, राँची	1971
10.	'शुक्ल', आ. रामचन्द्र	हिन्दी साहित्य का इतिहास	श्री प्रकाशन, दिल्ली	1997
11.	साहु डॉ. अंजु कुमारी	आधुनिक नागपुरी कवि मनक साहित्य परिचय	मार्ग–दर्शन पब्लिकेशन, राँची	2018

i=&if=dkvksa dh lwph&

Ø-l-	i=&if=dkvksa dk uke	vof/k	izdk'ku LFky
1.	आदिवासी	साप्ताहिक	राँची
2.	आदिवासी सकम	साप्ताहिक	जमशेदपुर
3.	कला संगम	छमाही	राँची
4.	कोयनार	वार्षिक	रातु, राँची
5.	गोतिया	साप्ताहिक	दुमसा टोली, चुटिया, राँची
6.	छोटानागपुर संदेश	साप्ताहिक	राँची
7.	जय झारखण्ड	त्रैमासिक	डालटेनगंज
8.	जोहार	त्रैमासिक	राँची

9.	झारखण्ड समाचार	त्रैमासिक	राँची
10.	डहर	त्रैमासिक	राँची
11.	तितकी	त्रैमासिक	राँची
12.	पझरा	अनियमित कालीन	राँची
13.	प्रभात खबर	दैनिक	राँची
14.	राँची एक्सप्रेस	दैनिक	राँची
15.	शंखनाद	त्रैमासिक	सिमडेगा